भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 16 जून, 2025
जारी करने का समय: 1445 घंटे

विषय (i) अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर के शेष भागों; गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ और भागों; विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के शेष भागों; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड के कुछ भागों; उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के शेष भागों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल; बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

(ii) मानसून की सक्रिय अवस्था: 16 जून, 2025 तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और कोंकण व गोवा में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी) के साथ मानसून के सक्रिय रहने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर के शेष हिस्सों; उत्तर अरब सागर और गुजरात के कुछ हिस्सों; कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना के शेष हिस्सों; मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों; विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- मानसून की उत्तरी सीमा 20.0°N/60°E, 20.5°N/65°E, वेरावल, भावनगर, वडोदरा, खरगोन, अमरावती, दुर्ग, बरगढ़, चांदबाली, सैंडहेड द्वीप, 23.5°N/89.5°E, बालुरघाट और 30°N/85°E से होकर गुजरती है।
- उत्तर अरब सागर के शेष हिस्सों; गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों; विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के शेष हिस्सों अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के शेष भागों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में भारी बारिश की संभावना है।

आज, 16 जून, 2025 को 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति (अनुलग्नक II):

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही।
- **तमिलनाडु, केरल और माहे, मध्य महाराष्ट्र, और तटीय कर्नाटक**: अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, गोवा, गुजरात क्षेत्र, ओडिशा**: अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई; **उत्तराखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, और असम और मेघालय**: अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई।
- **झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, कोंकण, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़**: अलग-अलग स्थानों पर 60-105 किमी/घंटा की गति के साथ तूफानी/झोंकेदार हवाओं के साथ गरज के साथ छींटे; **कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, ओडिशा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, सौराष्ट्र और कच्छ, मराठवाड़ा,**

विदर्भ, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल: अलग-अलग स्थानों पर 30-59 किमी/घंटा की गति के साथ तूफानी/झोंकेदार हवाओं के साथ गरज के साथ छींटे।

मौसम के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक II देखें।
आज के 0830 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान **अधिकतम तापमान** के विस्तृत अवलोकन **अनुलग्नक III** में संलग्न हैं।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ

मौसम प्रणालियाँ:

- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्र में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले और मध्यम स्तरों पर मौजूद है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।
- दक्षिण गुजरात और आसपास के क्षेत्र में मध्यम क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है। इसके प्रभाव से, अगले 24 घंटों में उसी क्षेत्र में एक निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है; यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 24 घंटों में और अधिक चिह्नित हो जाएगा।
- दक्षिण पंजाब और उत्तर-पूर्व पंजाब और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक-एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- मध्यम क्षोभमंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक पश्चिमी विक्षोभ 26°N अक्षांश के उत्तर में लगभग 70°E देशांतर के साथ एक गर्त के रूप में मौजूद है।
- उत्तर-पूर्व असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

- **दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत**:
  - तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक में 16 से 18 जून तक कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाएँ संभावित हैं; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में 16 से 20 जून तक।
  - तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, कर्नाटक में 16 से 18 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 16 जून को बहुत भारी वर्षा; केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 16 जून को; तटीय कर्नाटक में 17 जून को।
  - तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 16 जून को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) की संभावना।
  - केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक में 16 और 17 जून को, रायलसीमा, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 16 से 20 जून तक तेज सतही हवाएँ (40-60 किमी/घंटा की गति) बहुत संभावित हैं।
- **पश्चिमी भारत:**

    - गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में 16 से 20 जून तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाएँ संभावित हैं।

    - कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में 16 से 22 जून तक अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना; सौराष्ट्र और कच्छ में 16 से 19 जून तक, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में 16 जून को और सौराष्ट्र और कच्छ में 16 और 17 जून को अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) की संभावना।

- **पूर्वी और मध्य भारत:**

    - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 16 और 17 जून को; मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में 16 से 20 जून तक अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाएँ संभावित हैं; मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार में 16 और 17 जून को और छत्तीसगढ़ में 16 जून को अलग-अलग स्थानों पर तूफानी हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, जो 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) बहुत संभावित हैं।

    - पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में 16 से 20 जून तक; विदर्भ में 16 और 17 जून को, मध्य प्रदेश में 19 और 20 जून को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; पूर्वी मध्य प्रदेश में 19 और 20 जून को; छत्तीसगढ़, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में 17 और 18 जून को; बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड में 18 और 19 जून को; ओडिशा में 16 से 18 जून तक बहुत भारी वर्षा की संभावना।

- **उत्तर-पश्चिम भारत:**

    - उत्तर-पश्चिम भारत में 16 से 22 जून तक कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली झोंकेदार हवाएँ संभावित हैं; राजस्थान में 16 और 17 जून को तूफानी हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, जो 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है)।

    - उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 16 से 22 जून तक; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में 21 और 22 जून को; पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान में 16, 21 और 22 जून को; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 16 और 19 से 22 जून तक, पश्चिमी राजस्थान में 16 जून को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 19 से 21 जून तक बहुत भारी YEARSा की संभावना।

    - पश्चिमी राजस्थान में 16 जून को अलग-अलग स्थानों पर धूल भरी आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, जो 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) बहुत संभावित है।

- **उत्तर-पूर्व भारत:**

    - अगले 7 दिनों तक उत्तर-पूर्व भारत में कई/अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना बनी रहेगी।

- **अधिकतम तापमान पूर्वानुमान:**

    - अगले 4-5 दिनों में मध्य भारत में अधिकतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है और इसके बाद कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।

    - देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा।

- **मछुआरों के लिए चेतावनियाँ:**
  - मछुआरों को 16 से 20 जून 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

    अरब सागर:

    - कोमोरिन क्षेत्र में 16 से 19 जून 2025 तक।
    - गुजरात तट के साथ और उसके बाहर 16 से 21 जून तक।
    - कोंकण, गोवा तटों, पूर्व-मध्य अरब सागर, उत्तर-पूर्व अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में 16 से 20 जून तक।
    - कर्नाटक, केरल तटों, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्सों में 16 से 19 जून तक।
    - लक्षद्वीप, मालदीव, दक्षिण-पूर्व अरब सागर क्षेत्रों में 16 से 18 जून 2025 तक।
    - सोमालिया तट, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्र के साथ और उसके बाहर 16 से 21 जून तक।
    - **बंगाल की खाड़ी:**
    - दक्षिण-पश्चिम और आसपास के दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में 16 से 18 जून तक।
    - मध्य बंगाल की खाड़ी में 16 से 21 जून तक।
    - उत्तर-पश्चिम और आसपास के उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 16 से 20 जून तक।
    - श्रीलंका तट, तमिलनाडु तट के साथ और उसके बाहर 16 से 19 जून तक।
    - आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके बाहर 16 से 20 जून तक।
    - ओडिशा, पश्चिम बंगाल तटों के साथ और उसके बाहर 17 से 20 जून तक।
    - मन्नार की खाड़ी में 16 से 19 जून तक।
    - अंडमान सागर में 16 से 20 जून तक।
    - इन क्षेत्रों में निर्दिष्ट तिथियों के दौरान मछली पकड़ने के संचालन को पूरी तरह से निलंबित करने की सलाह दी जाती है।

ii. 16 जून से 19 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक VI)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

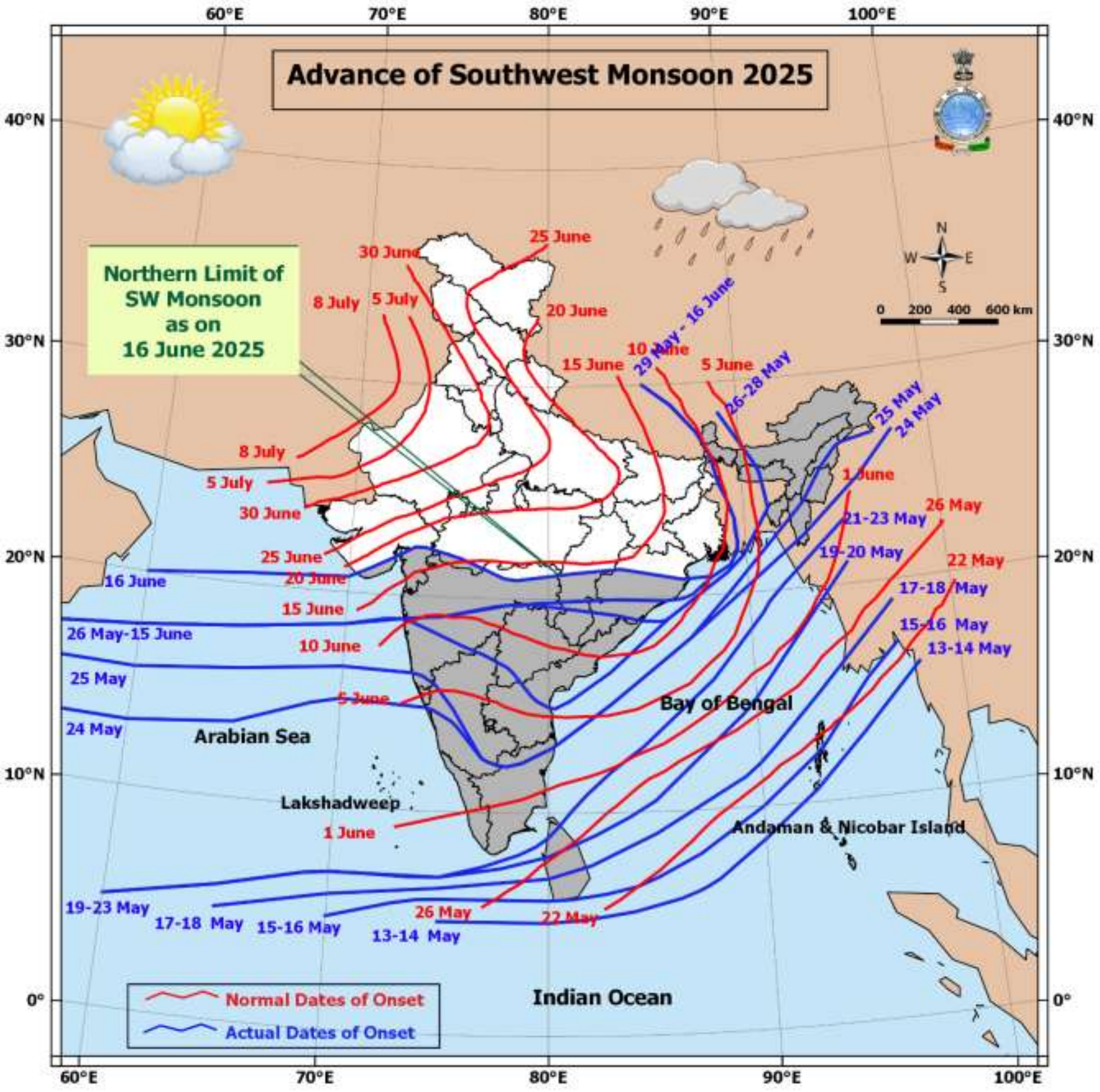

Advance of Southwest Monsoon 2025
Northern Limit of SW Monsoon as on 16 June 2025
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
0 200 400 600 km

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: एवलांच (जिला नीलगिरी) 29; चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 18; अपर भवानी (जिला नीलगिरी) 17; तालुक कार्यालय पांडालूर (जिला नीलगिरी) 13; शोलयार (जिला कोयंबटूर), सिनकोना (जिला कोयंबटूर), वर्थ एस्टेट चेर (जिला नीलगिरी) प्रत्येक 12; वालपराई पीटीओ (जिला कोयंबटूर), उपासी टी रिसर्च एडब्ल्यूएस (जिला कोयंबटूर) प्रत्येक 11; सिरुवानी आदिवरम (जिला कोयंबटूर) 8; वालपराई तालुक कार्यालय (जिला कोयंबटूर), वालपराई पाप (जिला कोयंबटूर) प्रत्येक 7
- **तटीय कर्नाटक**: मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 27; सिद्धापुर (जिला उडुपी) 25; मंगलुरु एपी (जिला दक्षिण कन्नड़) 22; कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 19; पनंबूर (जिला दक्षिण कन्नड़) 18; कुंदापुर (जिला उडुपी), गेर्सो७/८ (जिला उत्तर कन्नड़) प्रत्येक 17; उप्पिननगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 16; बंटवाल (जिला दक्षिण कन्नड़), कद्रा (जिला उत्तर कन्नड़) प्रत्येक 15; कार्कला (जिला उडुपी), मंगलुरु (जिला दक्षिण कन्नड़) प्रत्येक 14; होनावर (जिला उत्तर कन्नड़), कुमटा (जिला उत्तर कन्नड़), बेलथंगडी (जिला दक्षिण कन्नड़), कोटा (जिला उडुपी) प्रत्येक 13; मणि (जिला दक्षिण कन्नड़), धर्मस्थला (जिला दक्षिण कन्नड़), पुत्तूर एचएमएस (जिला दक्षिण कन्नड़) प्रत्येक 12; मुल्की (जिला दक्षिण कन्नड़) 11; उडुपी (जिला उडुपी), कारवार (जिला उत्तर कन्नड़), अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) प्रत्येक 10; येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़), सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड़), सिद्धापुर (जिला उत्तर कन्नड़) प्रत्येक 8; जोइदा (जिला उत्तर कन्नड़) 7
- **केरल और माहे**: थेन्नाला एडब्ल्यूएस (जिला मलप्पुरम) 21; वडकरा (जिला कोझिकोड) 18; बयार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 16; तालिपरंबा (जिला कन्नूर), होसदुर्ग (जिला कासरगोड), मुलियार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) प्रत्येक 15; तेल्लिचेरी (जिला कन्नूर), व्यत्तिरी (जिला वायनाड), कुदुलु (जिला कासरगोड), कन्नूर (जिला कन्नूर), कन्नूर आईसीएआर एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), चेरुवंचेरी एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), एएमएस कन्नूर (जिला कन्नूर) प्रत्येक 14; पिनरायी एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 13; पीरमेड टीओ (जिला इडुक्की), कन्नूर हवाई अड्डा एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), चेंबेरी एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), पेरिंगोम एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) प्रत्येक 12; क्विलांडी (जिला कोझिकोड), कुमारकम (जिला कोट्टायम), अंगदीपुरम (जिला मलप्पुरम), मुन्नार केएसईबी (जिला इडुक्की), पट्टेंबी (जिला पलक्कड़), पीची एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) प्रत्येक 10;
- **मध्य महाराष्ट्र:** गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 21; राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 17; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 16; लोनावला एआरजी (जिला पुणे) 15; अजरा (जिला कोल्हापुर) 9; शाहूवाड़ी (जिला कोल्हापुर) 7
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक:** कोट्टिगेहारा (जिला चिक्कमगलूर), अगुंबे ईएमओ (जिला शिवमोग्गा) प्रत्येक 20; भगमंडला (जिला कोडगु) 12; कम्मार्डी (जिला चिक्कमगलूर) 10; श्रींगेरी एचएमएस (जिला चिक्कमगलूर) 9; कलासा (जिला चिक्कमगलूर) 8; हुंचडकट्टे (जिला शिवमोग्गा) 7
- **कोंकण और गोवा**: पावरवाड़ी - एआरजी (जिला रत्नागिरी) 18; आवलेगांव - एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग) 16; ताला (जिला रायगढ़), दोडमार्ग (जिला सिंधुदुर्ग) प्रत्येक 14; गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी), मुल्डे एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), चिपलून (जिला रत्नागिरी), सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग) प्रत्येक 13; मुल्डे - एडब्ल्यूएस (जिला सिंधुदुर्ग), रामेश्वर एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), लांजा (जिला रत्नागिरी) प्रत्येक 12; पोंडा (जिला उत्तर गोवा), कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग), पेरनेम (जिला उत्तर गोवा), खालापुर (जिला रायगढ़), मापुसा (जिला उत्तर गोवा), पोलादपुर (जिला रायगढ़), वसई (जिला पालघर) प्रत्येक 11; माणगांव (जिला रायगढ़), सुद्दगढ़ पाली (जिला रायगढ़), कोलाबा (जिला मुंबई शहर), कनकोना (जिला दक्षिण गोवा), उरण (जिला रायगढ़), दापोली एआरजी (जिला रत्नागिरी), वाकवाली एआरजी (जिला रत्नागिरी), संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी), सावर्डे-एआरजी (जिला रत्नागिरी) प्रत्येक 10; सांताक्रूज (जिला मुंबई उपनगर), टीबीआईए आईएमडी पार्ट टाइम (जिला ठाणे), मुरुड (जिला रायगढ़), महाड (जिला रायगढ़), राजापुर (जिला रत्नागिरी) प्रत्येक 9; मालवण (जिला सिंधुदुर्ग), सांगुएम (जिला दक्षिण गोवा), मांडणगढ़ (जिला रत्नागिरी), कणकवली (जिला सिंधुदुर्ग), क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) प्रत्येक 8; अलीबाग - आईएमडी पार्ट टाइम (जिला रायगढ़), करजत एआरजी (जिला रायगढ़), देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग), म्हासला (जिला रायगढ़) प्रत्येक 7
- **ओडिशा:** बांकी (जिला कटक) 16; रानपुर (जिला नयागढ़) 12; उल्लुंडा (जिला सोनेपुर), अटबीरा (जिला बरगढ़) प्रत्येक 11; नरसिंहपुर (जिला कटक), बीरमहाराजपुर (जिला सोनेपुर) प्रत्येक 8; कंकड़ाहड़ (जिला ढेंकनाल), भुबन (जिला ढेंकनाल), तेलकोई (जिला केंझरगढ़), हरभंगा (जिला बौद्धगढ़), हेमगिरी (जिला सुंदरगढ़) प्रत्येक 7
- **गुजरात क्षेत्र:** दभोई (जिला वडोदरा) 15; संखेड़ा (जिला छोटा उदयपुर) 13; उमरपड़ा (जिला सूरत), उमरगाम (जिला वलसाड), खानवेल (जिला दादरा और नगर हवेली) प्रत्येक 9; dangs (अहवा) (जिला dangs) 8; पालनपुर (जिला बनासकांठा), मधबुन (जिला दादरा और नगर हवेली) प्रत्येक 7
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: बरेली सीडब्ल्यूसी (जिला बरेली), बरेली पीबीओ (जिला बरेली) प्रत्येक 15; नकुर (जिला सहारनपुर) 12; बिजनौर (जिला बिजनौर) 9; आंवला (जिला बरेली) 8
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: भटकावा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 12; लिश रिवर टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी) 8; कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), फागु टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) प्रत्येक 7

- **असम और मेघालय**: हाजो एआरजी (जिला कामरूप (ग्रामीण)) 11; तंगल एआरजी (जिला उदलगुरी) 10; अमराघाट (जिला कछार) 8; बिहुबार (जिला सिबसागर), चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स), लाहारीघाट एआरजी (जिला मोरीगांव), खिलएहरियात (जिला पूर्वी जयंतिया हिल्स) प्रत्येक 7
- **अरुणाचल प्रदेश:** नाहरलागुन (जिला पापुमपारा) 10
- **पूर्वी राजस्थान:** आमेट (जिला राजसमंद) 10; कुंभलगढ़ एसआर (जिला राजसमंद) 8; रामगढ़ एसआर (जिला अलवर) 7
- **सौराष्ट्र और कच्छ**:शिहोर (जिला भावनगर) 10
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: मनकापुर (जिला गोंडा) 8; शारदानगर (जिला खीरी) 7
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: लटेरी (जिला विदिशा) 7
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: खानापुर (जिला बेलगावी), कित्तूर (जिला बेलगावी) प्रत्येक 7

आज 16.06.2025 को 0300 UTC पर समाप्त होने वाले पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज की गई तेज़ हवायें (किलोमीटर प्रति घंटा में) (आरएमसी/एमसी से प्राप्त):

□ **झारखंड**: सिमडेगा (107); चतरा (56); जगन्नाथपुर (44); पलामू (39); सरायकेला (35); बोकारो (33); गिरिडीह, बरही, जम्तारा, किरीबुरु, पाकुड़ (31)

□ **मध्य महाराष्ट्र:** कुर्वंडे (पुणे) - 91 किमी/घंटा, महाबलेश्वर (सतारा) - 54 किमी/घंटा, नारायणगांव (पुणे) - 46 किमी/घंटा, करजत (रायगढ़) - 44 किमी/घंटा

□ **छत्तीसगढ़**: कोरिया 74 किमी/घंटा, जांजगीर 50 किमी/घंटा

□ **हरियाणा**: कैथल: 68; कुरुक्षेत्र: 65; करनाल: 63; जींद: 50; भिवानी, चंडीगढ़: 48; अंबाला: 46; सोनीपत: 44; पानीपत: 43; हिसार: 39

□ **बिहार**: बिक्रमगंज (65); भागलपुर, पूर्वी चंपारण, आईआईटी पटना (37); अर्राबारी, सुखेत, पूसा (35); अरवल, औरंगाबाद, बक्सर, दुमारांव, सिपाया, सरैया, अगवानपुर (33); भोजपुर, मधेपुरा, मांझी (31); कटिहार, पटना, जिरादेई (30)

□ **कोंकण**: देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) - 65 किमी/घंटा, अलिबाग (रायगढ़) - 59 किमी/घंटा, दापोली (रत्नागिरी) - 50 किमी/घंटा

□ **जम्मू-कश्मीर**: रामबन: 65, जम्मू: 59, कठुआ: 44, पूंछ: 44, रियासी: 35

□ **हिमाचल प्रदेश**: सियोबाग: 59, कुकुमसेरी: 43, बजौरा और नेरी (प्रत्येक): 41, कोटखाई: 39, बिलासपुर: 37

□ **पंजाब**: मोहाली: 59; पटियाला: 54; होशियारपुर, रोपड़, संगरूर: 50; पठानकोट, फतेहगढ़: 46; फरीदकोट: 44; मोगा: 41

□ **पूर्वी मध्य प्रदेश:** जबलपुर 51 किमी/घंटा

□ **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: अशोकनगर 50

□ **ओडिशा**: अंगुल (44); सोनेपुर (43); गुनुपुर (37); बेनकुड़ा, जगतसिंहपुर (35); राउरकेला, सुंदरगढ़ (33); रानीतल, केंद्रपाड़ा, भुवनेश्वर (31); कटक (30)

□ **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: श्री विजयपुरम (43); शहीद द्वीप (39); फेरारगंज (31); निम्बुताला (30)

□ **असम और मेघालय**: शिलांगानी_एएमएफयू 43, दीफू_एएमएफयू 41, जोरहट_एएमएफयू 41, गुवाहाटी 37, गौहाटी_विश्वविद्यालय 37, गोस्साईगांव_एएमएफयू 33, चांदुबी 31, सोनितपुर 31

□ **अरुणाचल प्रदेश:** मियाओ 41

□ **सौराष्ट्र** और कच्छ: महुवा 37

□ **मराठवाड़ा**: जालना - 37 किमी/घंटा, धाराशिव - 37 किमी/घंटा

□ **विदर्भ**: यवतमाल 37, वर्धा 35

□ **मणिपुर:** एडीसी_मोरेह: 35

□ **गंगा तटीय पश्चिम बंगाल:** बहरामपुर (31)

पिछले 24 घंटों के दौरान आज 0830 बजे IST तक तापमान अवलोकन:

- कल, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, पंजाब में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 38-42 डिग्री सेल्सियस के बीच था; पूर्वी राजस्थान, बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर; गुजरात राज्य, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर 33-37 डिग्री सेल्सियस के बीच; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर और देश के बाकी हिस्सों में कहीं और 33 डिग्री सेल्सियस से नीचे। कल, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
- अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर; असम और मेघालय, पूर्वी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ऊपर (> 5.1°C) रहा। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, बिहार, जम्मू-कश्मीर लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) रहा। झारखंड और गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाके, पंजाब, पश्चिम मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, तेलंगाना और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से काफी ऊपर (1.6°C से 3.0°C) रहा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पश्चिम राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कई स्थानों पर सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) के करीब; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और लक्षद्वीप में कुछ स्थानों पर; उत्तराखंड, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर।

चित्र 1): अधिकतम तापमान

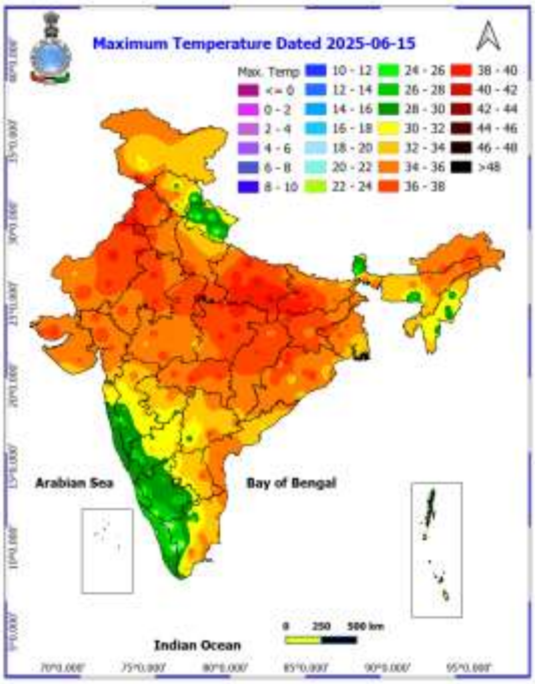

चित्र 2): अधिकतम तापमान का विचलन

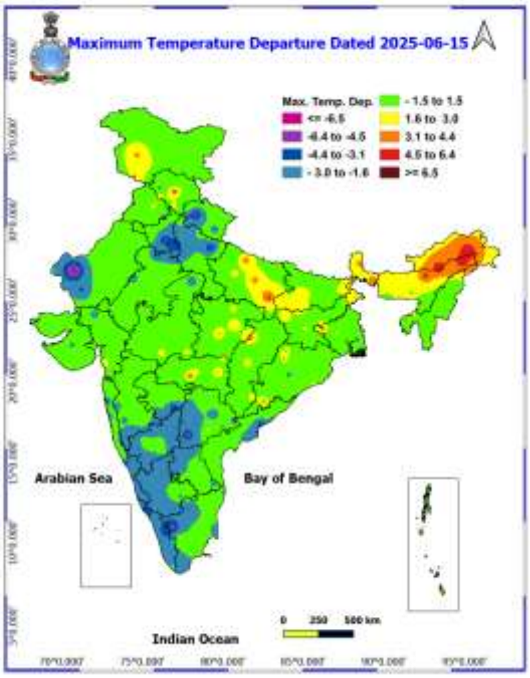

अनुलग्नक IV

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	16- Jun	17- Jun	18- Jun	19- Jun	20- Jun	21- Jun	22- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEGHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
14	PUNJAB	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
27	CHHATTISGARH	ISOL	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक V

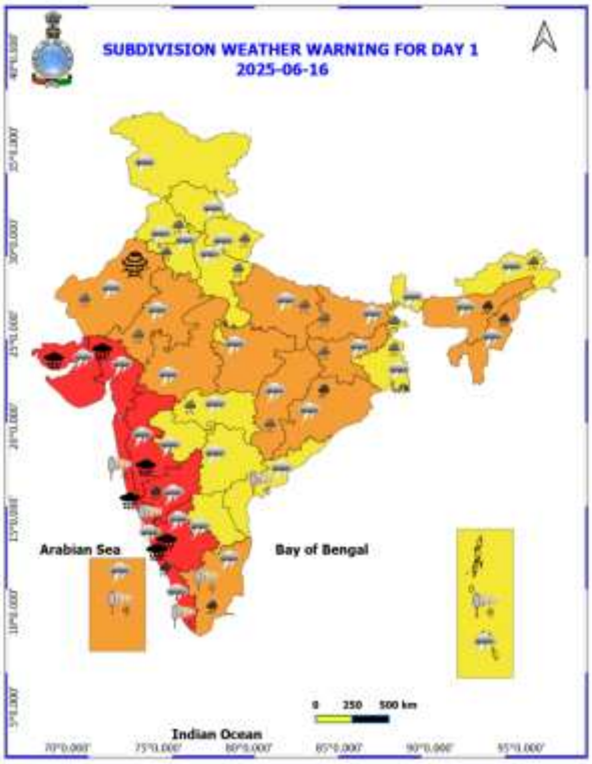
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

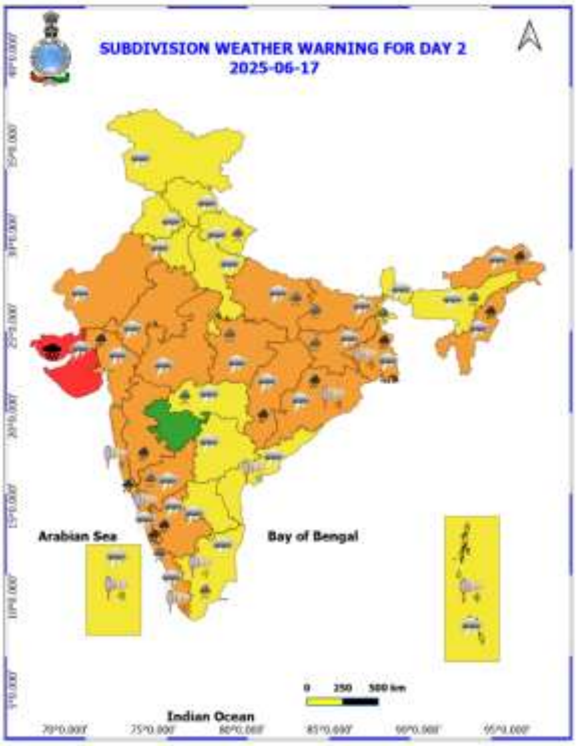
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

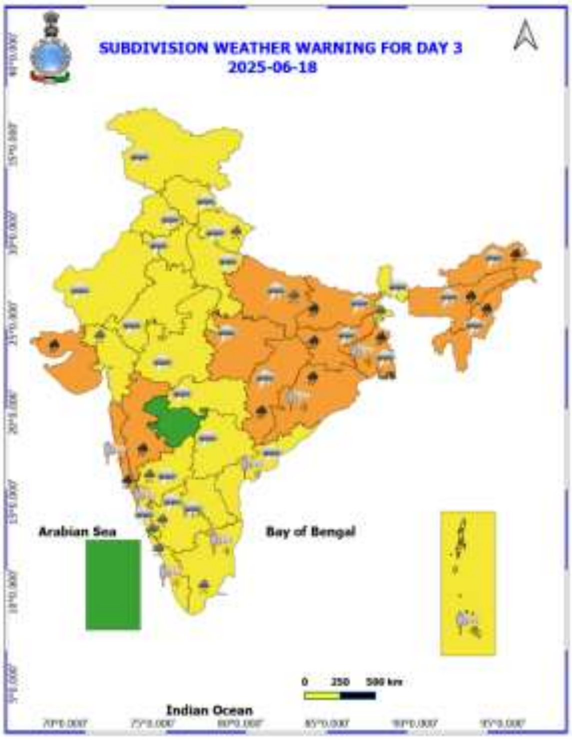
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

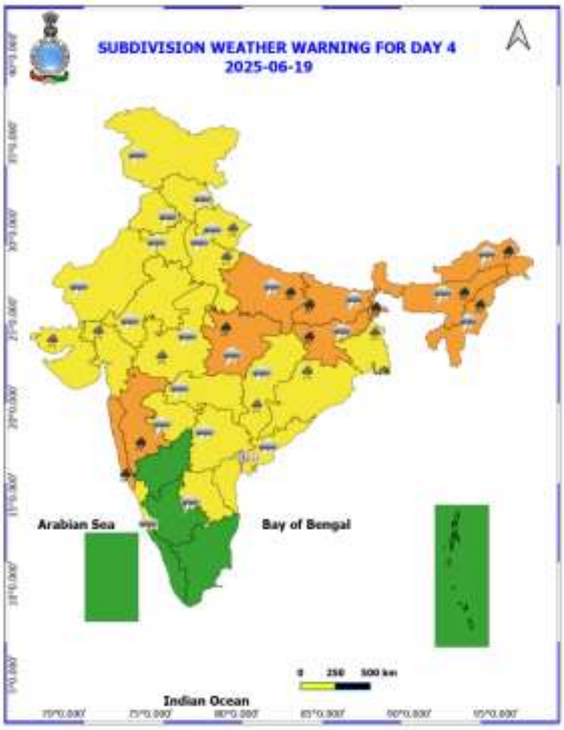

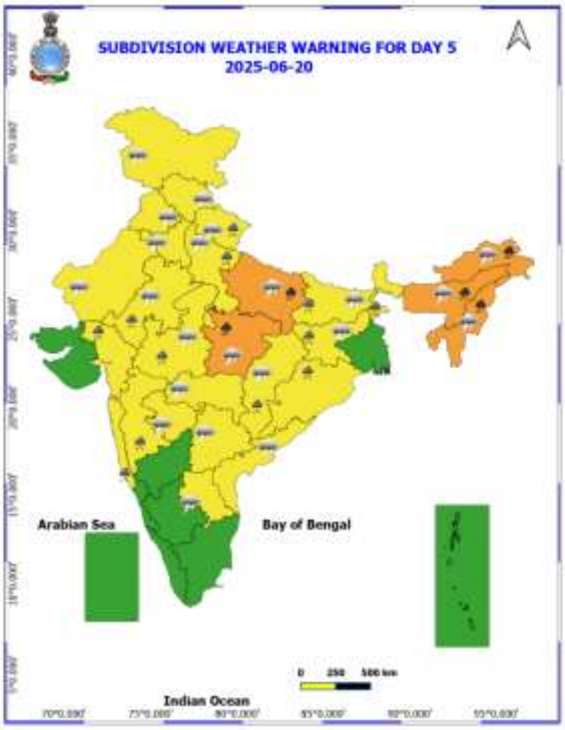

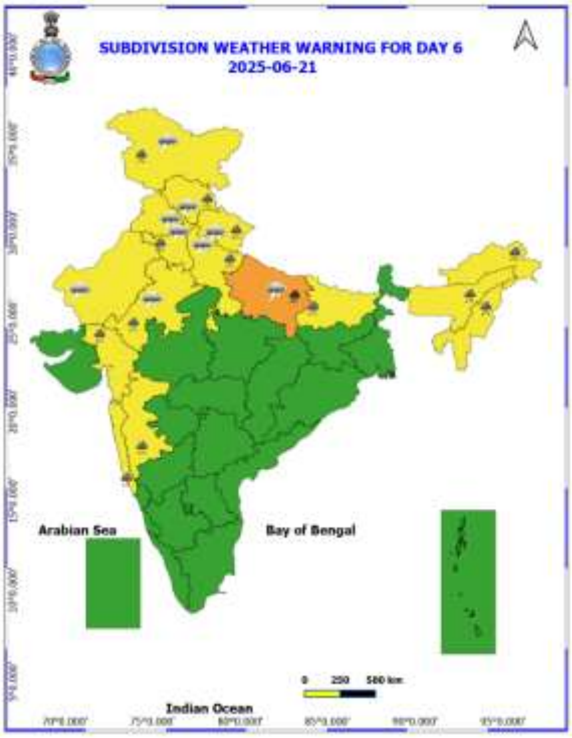

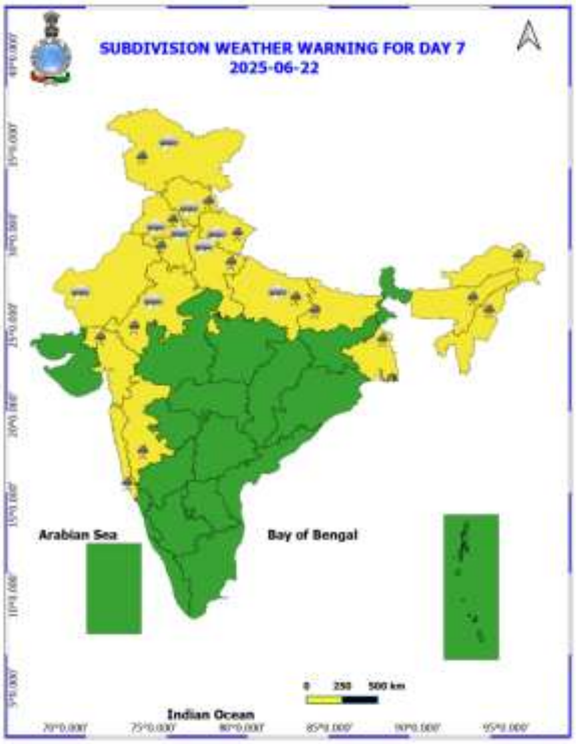

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक VI

दिल्ली/एनसीआरकेलिएमौसमपूर्वानुमान (16 से 19 जून2025 तक)

पिछला मौसम:

दिल्ली/एनसीआर में पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 4 से 9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और अधिकतम तापमान में 6 से 7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 34 से 35 डिग्री सेल्सियस और 25 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहा और पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से सतही हवाएँ चलीं, जिनकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक रही, कुछ समय के लिए 35 किमी प्रति घंटा की झोंकों वाली हवाएं चलीं। आज पूर्वाह्न में आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहा और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाओं की गति 12 किमी प्रति घंटा से कम रही।

मौसम पूर्वानुमान:

16.06.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गर्जन के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। गरज के साथ चलने वाली हवाओं की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है, जो अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। दोपहर में सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। शाम और रात के समय हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से 15-18 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी।

17.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गर्जन के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। गरज के साथ हवाओं की गति 40 से 50 किमी प्रति घंटा, अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 से 37°C और 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह में सतही हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में हवाएं पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी और शाम व रात में उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएंगी।

18.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गर्जन के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। हवाएं 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से चल सकती हैं, जो अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं। अधिकतम तापमान 36 से 38°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम रहेगा। सुबह में सतही हवाएं पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम रहेंगी, दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, और शाम-रात में फिर से पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम गति की होंगी।

19.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश/गर्जन के साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। गरज के दौरान हवाएं 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी, जो अस्थायी रूप से 50 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती हैं। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 से 38°C और 25 से 27°C के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम रहेगा। सुबह में हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, दोपहर में पश्चिम दिशा से 18 किमी प्रति घंटा से कम होंगी और शाम व रात में उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी।

बिजली गिरने/गर्जन के साथ तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कार्य:

- सावधानी बरतें और एहतियाती उपाय अपनाएं क्योंकि गरज, बिजली और तेज हवाओं (40 - 50 किमी प्रति घंटा, अस्थायी रूप से 60 किमी प्रति घंटा) की संभावना है, जिससे धूल भरी हवाएं भी चल सकती हैं।
- पेड़ों की शाखाएं टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं, सूखी शाखाएं उड़ सकती हैं, खड़ी फसलें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, बिजली व संचार लाइनों को नुकसान हो सकता है, कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान हो सकता है, और ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति बिगड़ने पर सतर्क रहें और सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और यात्रा से बचें यदि संभव हो।
- सुरक्षित स्थानों में शरण लें, पेड़ों के नीचे खड़े न हों, सीमेंट के फर्श पर न लेटें और सीमेंट की दीवारों के सहारे न लगें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, पानी से बाहर निकलें और किसी भी विद्युत-चालक वस्तु से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई

- **अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे)**: 16 जून को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर संभावना; 16 और 17 जून को सौराष्ट्र और कच्छ में।
- **अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा**: 19 और 20 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 17 और 18 जून को छत्तीसगढ़, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में; 18 और 19 जून को बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड में; 16 से 18 जून तक ओडिशा में; 16 से 20 जून तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में; 19 से 21 जून तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

अलग-अलग स्थानों पर बिजली/तेज और तूफानी हवाओं के साथ तूफान आने के कारण अपेक्षित प्रभाव और कार्रवाई का सुझाव दिया गया है।

तूफानी हवाएँ (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, जो 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है): 16 और 17 जून को मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर; 16 जून को छत्तीसगढ़, केरल और माहे, लक्षद्वीप, तमिलनाडु में।

अपेक्षित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाओं का टूटना, बड़े-बड़े पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ उड़ना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर बहुत बड़ा नुकसान।
- तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ओलावृष्टि से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाई गई कार्रवाई:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बिगड़ती परिस्थितियों के लिए मौसम पर नज़र रखें और तदनुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और यदि संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न झुकें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- पानी वाले स्थानों से तुरंत बाहर निकलें।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **केरल में**, धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु में**, धान की नर्सरी बुवाई / रोपाई तथा ज्वार और कुम्बू की बुवाई स्थगित करें। धान की नर्सरी, कपास, गन्ना, मूंगफली तथा रोपे गए चावल के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा बनाए रखें। कपास के कोमल पौधों, गन्ने के युवा पौधों और केले के फलदार पौधों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- **तटीय कर्नाटक में**, धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। जलजमाव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, केले, नारियल और सुपारी के बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में,** धान की नर्सरी बुवाई तथा अरहर, मक्का और प्याज की बुवाई स्थगित करें। धान की नई पौध को भारी बारिश से बचाने हेतु प्लास्टिक शीट या एग्रो-शेड नेट से ढक दें। जलजमाव को रोकने के लिए चावल की नर्सरी, कॉफी, इलायची, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें। **उत्तर आंतरिक कर्नाटक में**, मूंग, कपास, मक्का, मूंगफली, धान, अरहर, सोयाबीन और प्याज की बुआई स्थगित करें। जलभराव को रोकने के लिए अंकुरण अवस्था में मौजूद फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **कोंकण और गोवा में,** धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें। **कोंकण और गोवा** तथा **मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **दक्षिण गुजरात में**, चावल की नर्सरी और सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई चावल की नर्सरी, सोयाबीन और केले के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **उत्तरी ओडिशा में**, धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों में जलभराव को रोकने हेतु, अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। भारी बारिश के दौरान बाजरा, मक्का, दालों और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए चावल और सब्जी की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में**, धान की नर्सरी तथा जूट और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। भारी वर्षा के कारण होने वाले नुकसान से बचाव हेतु निचली भूमि पर धान की बुआई न करें।
- **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, सब्ज़ियों (टमाटर, फ्रेंच बीन्स आदि) और फलों (आड़ू और बेर) की कटाई करें। अरहर, बाजरा और सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें तथा पहले से बोई गई फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **असम में**, तिल, फॉक्सटेल बाजरा (कांगनी), बोरो धान, केला और खट्टे फलों की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव को रोकने के लिए साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियों या जाली का सहारा प्रदान करें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न गिरें। केले के पौधे को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- **मिजोरम** में मक्का और निचली भूमि पर खरीफ-पूर्व धान की फसल में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि पानी का ठहराव न हो। पांच महीने पुरानी गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- **अरुणाचल प्रदेश में,** सोयाबीन और मिर्च तथा भिंडी जैसी सब्जियों की कटाई करें तथा उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। चावल की नर्सरी, कीवी और सेब के बागानों में जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

17-06-2025 को 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम से उच्च फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है।

सौराष्ट्र और कच्छ - राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, गिर, सोमनाथ, जूनागढ़, अमरेली, देवभूमि द्वारका, मोरबी, सुरेन्द्रनगर, बोटाद और भावनगर

कोंकण और गोवा - उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा, मुंबई शहर, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, उपनगरीय मुंबई और ठाणे जिले।

तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

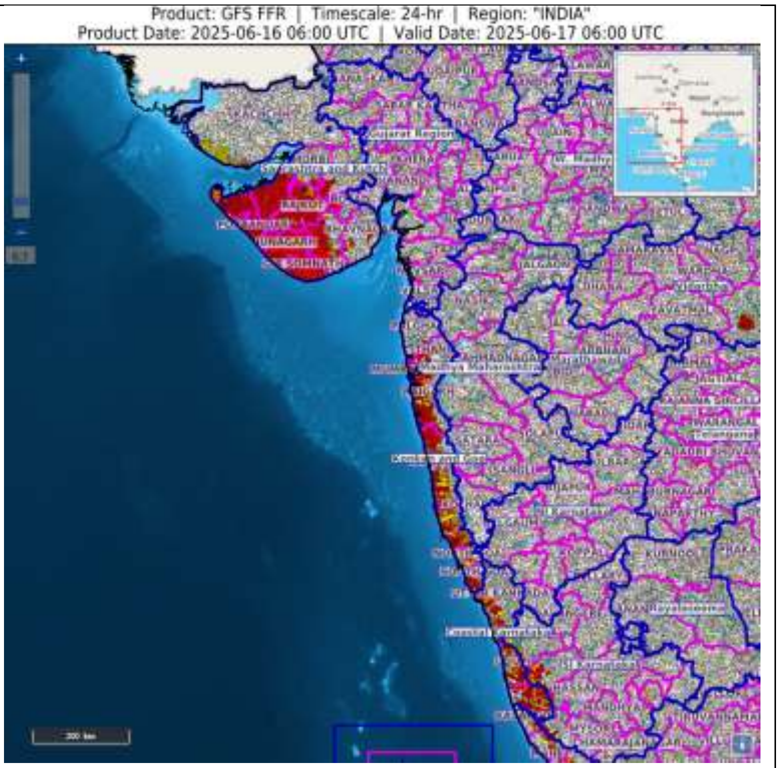

17-06-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। असम और मेघालय - कछार, करीमगंज, एन.सी. हिल्स, ईस्ट गारो हिल्स, ईस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट गारो हिल्स, वेस्ट गारो हिल्स, वेस्ट खासी हिल्स और जैन्तिया हिल्स जिले। नागालैंड मिजोरम मणिपुर त्रिपुरा (एनएमएमटी) मणिपुर - चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, सेनापति, चंपई, चंदेल, थौबल, पेरेन, उखरुल, मिजोरम - आइजोल, नागालैंड - दीमापुर, किफिरे, कोहिमा, लॉन्गलेंग, मोकोकचुंग, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग, वोखा, जुनहेबोटो ज़िला। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

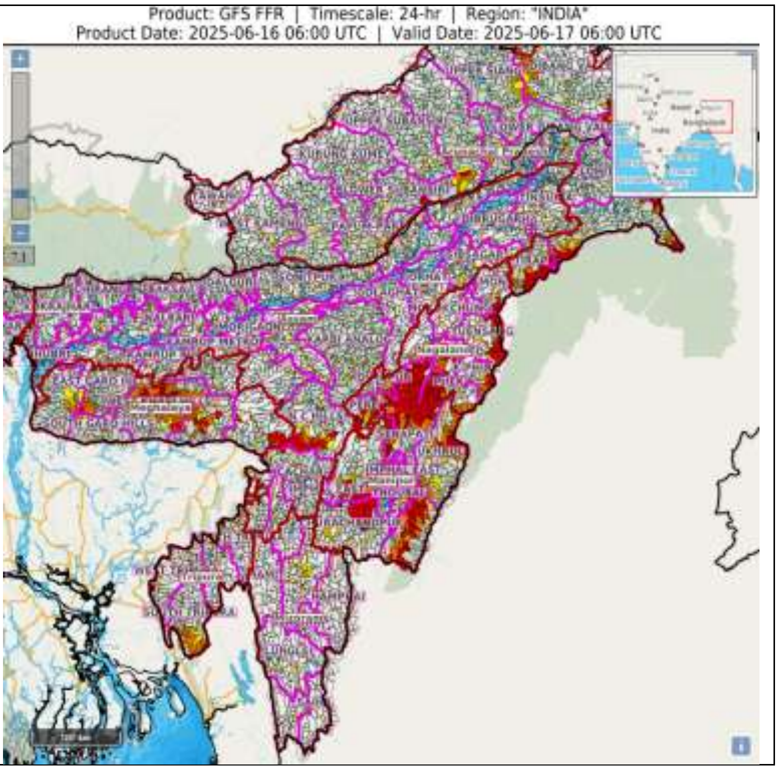

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

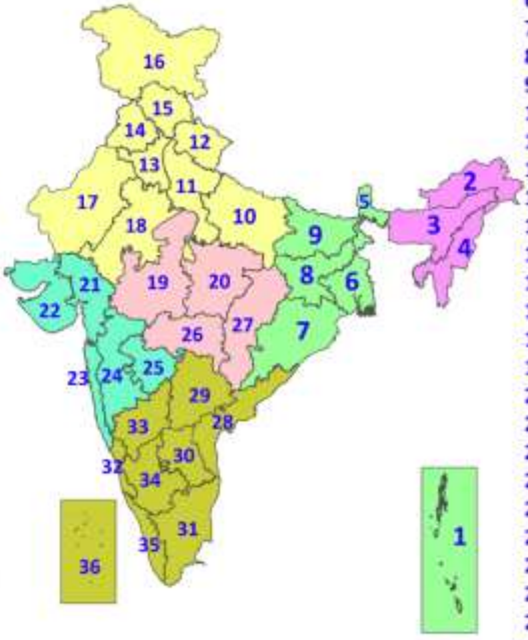

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)